चलो बुलावा आया है, माता ने ......

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है,
ऊँचे पर्वत पे रानी माँ ने, दरबार लगाया है
चलो बुलावा आया है ......

प्रेम से बोलो – जय माता दी, सारे बोलो – जय माता दी
सब मिल बोलो – जय माता दी, जोर से बोलो – जय माता दी

सारे जग में एक ठिकाना, सारे गम के मारो का – 2
रस्ता देख रही है माता, अपनी आँख के तारों का – 2
मस्त हवाओं का एक झोंका, ये संदेशा लाया है ।
चलो बुलावा आया है ......

जय माता दी कहते जाओ, आने जाने वालो को,
चलते जाओ तुम मत देखो, अपने पाँव के छालों को – 2
जिसने जितना दर्द सहा है, उतना चैन भी पाया है ।
चलो बुलावा आया है ......

वैष्णो देवी के मन्दिर में, लोग मुरादें पाते हैं,
रोते–रोते आते हैं और हँसते–हँसते जाते हैं – 2
मैं भी माँग के देखूँ, जिसने जो माँगा वो पाया है ।
चलो बुलावा आया है ......

मैं भी तो एक माँ हूँ माता, माँ ही माँ को पहचाने – 2
बेटे का दुःख क्या होता है, और कोई ये क्या जाने,
हो ऽऽ उसका खून में कैसे देखूं, जिसको दूध पिलाया है,
चलो बुलावा आया है ......

प्रेम से बोलो – जय माता दी, पहाड़ों वाली – जय माता दी,
सब मिल बोलो – जय माता दी, शैरों वाली – जय माता दी,
जोर से बोलो – जय माता दी, सारे बोलो – जय माता दी,
जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी, जय माता दी ।।